# यासीन की हथियार तस्करी का पर्दाफाश

## वीडियो में दिखा हथियार लहराता यासीन, संरक्षण पर उठे सवाल

### क्या किसी नेता का था साथ? जांच की उठी मांग

**भोपाल,27 जुलाई. राजधानी भोपाल में सामने आए बहुचर्चित ड्रग्स और यौन शोषण मामले में एक के बाद एक सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं.**

गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर यासीन मछली न सिर्फ नशे के कारोबार में लिप्त था, बल्कि वह हथियारों की तस्करी भी करता था. अब सोशल मीडिया पर उसके कई ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह खुलेआम हथियार लहराते नजर आ रहा है.

### जग्गा से मिला हथियार, गांजा भी बरामद हुआ

क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार आरोपी जगजीस सिंह बैस उर्फ जग्गा ने खुलासा किया है कि उसे कट्टा यासीन ने ही बेचा था. साथ ही, उसके पास से जो गांजा बरामद हुआ वह भी यासीन के इलाके से खरीदा गया था. पुलिस की पूछताछ जारी है और अब हथियार तस्करी की दिशा में भी जांच तेज हो गई है.

### कांग्रेस का आरोप, भाजपा खामोश...

विपक्ष लगातार इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है. कांग्रेस का आरोप है कि ऐसे संगठित अपराध किसी राजनीतिक छत्रछाया के बिना इतने लंबे समय तक नहीं चल सकते. वहीं भाजपा की ओर से अब तक इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है. पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कि इतने लंबे समय तक यासीन जैसे अपराधी की गतिविधियां क्यों नहीं पकड़ी गईं? क्या इसे जानबूझकर नजरअंदाज किया गया या जानकारी के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई?

### बड़ा सवाल कहां से मिला संरक्षण?

जांच में यह भी सामने आया है कि यासीन और उसके गिरोह ने लंबे समय तक भोपाल में न सिर्फ नशे की आपूर्ति की, बल्कि हिंदू छात्राओं को फंसाकर ड्रग्स की लत लगाने, यौन शोषण करने और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने जैसे संगीन अपराध भी किए. अब सवाल उठ रहा है कि अगर यासीन जैसे अपराधी इस हद तक बेखौफ होकर हथियार लहरा रहे थे, तो क्या उन्हें किसी नेता, स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति या सिस्टम में बैठे किसी का संरक्षण प्राप्त था? कई सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और यदि किसी मंत्री या नेता की भूमिका सामने आती है, तो उसे तुरंत बेनकाब कर कार्रवाई की जाए.

### अब जांच का रुख बदलेगा?

हथियार तस्करी, ड्रग्स, यौन शोषण और धर्मांतरण की कड़ी के साथ अब यदि राजनीतिक संरक्षण की पुष्टि होती है, तो यह मामला केवल अपराध का नहीं, बल्कि सत्तात्मक सांठगांठ और प्रशासनिक चूक का गंभीर उदाहरण बन सकता है.

# सड़कें बन रही हादसों का जाल

जूनियर रिपोर्टर

**भोपाल, 27 जुलाई. शहर की सड़कों की खस्ता हालत ने बारिश के मौसम में लोगों की परेशानी को बढ़ा दिया है. एमपी नगर जोन-1 की मुख्य सड़क, जो कई सालो से बदहाल स्थिति मे थी बारिश के बाद और भी जर्जर हो गई है. प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि अब तक इस सड़क की कोई मरम्मत नही करवाई गई.**

टेलीफोन पाइप लाइन बिछाने के दौरान ठेकेदारो ने पूरी सड़क खोद दी थी और उसके बाद अस्थायी रूप से मरम्मत करके छोड़ दिया. नतीजा ये है कि अब बारिश मे यह सड़क के गड्ढे इतने गहरे हो गए है कि अंदर की पाइप लाइने भी बाहर नजर आने लगी है. बाइक सवार, कार चालक और पैदल चलने वाले लोग रोजाना फिसलने और गिरने की घटनाओ का शिकार हो रहे है. तेज बारिश ने जगह जगह बने गड्ढो को कीचड़ से भर दिया है, सड़क दुर्घटनाए भी बड़ गई है.

### खराब स्ट्रीट लाइट ने बढ़ा दी चोरी की घटनाएं

सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें भी लंबे समय से खराब हैं, जिससे रात में राहगीरो और वाहन चालको की परेशानी और बढ़ जाती है. स्थानीय दुकानदार बिहारी लाल ने बताया कि रात मे स्ट्रीट लाइट भी नही जलती इस इलाके मे इस कारण बहुत चोरिया भी होती है, चोर अक्सर बाइक और लोगो का कीमती समान ले कर भाग जाते है,अंधेरा होने के कारण पोलिस भी हाँथ खड़े कर लेती है. केवल ये सड़क ही नही पूरे जोन-1 की यही स्थिति है. यहा के लोगों ने कई बार शिकायत की पर नगर निगम या संबंधित विभाग कोई ठोस कार्रवाई नही कर रहा है.सड़क पर इतने गड्ढे, कीचड़, और गंदगी है कि घर से निकलने का मन ही नही करता, राजधानी की ये हालत है तो प्रदेश का क्या हाल होगा.

### एक नजर में

#### नगर निगम को मिले 11 नए कार्यपालन यंत्री

**भोपाल.** शहर में बुनियादी सुविधाओं की बदहाल व्यवस्था को देखते हुए नगर निगम को अब 11 नए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (कार्यपालन यंत्री) मिलेंगे. मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास विभाग ने भोपाल नगर निगम से जुड़े 11 सहायक यांत्रियों के प्रमोशन आदेश जारी कर दिए हैं. जल्द ही इनकी प्रतिनियुक्ति की जाएगी. फिलहाल निगम के सड़क, पानी, नाली और बिजली जैसे प्रमुख विभाग केवल चार कार्यपालन यंत्रियों और सब इंजीनियरों के भरोसे चल रहे थे.

# मध्यप्रदेश में भारी बारिश, कई डैमों के खुले गेट

**भोपाल,27 जुलाई. प्रदेश में एक बार फिर से बारिश का दौर तेज़ हो गया है. राजधानी भोपाल समेत शिवपुरी, बैतूल, विदिशा, छिंदवाड़ा और श्योपुर में लगातार झमाझम बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने आगामी 3-4 दिनों तक प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी है.**

राज्य में इस समय तीन सिस्टम सक्रिय हैं. सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र, मानसून ट्रफ और ट्रफ लाइन. इनकी सक्रियता के कारण मध्यप्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का सिलसिला बना हुआ है. मौसम विभाग के अनुसार रतलाम, मंदसौर और नीमच जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है.

छिंदवाड़ा के तामिया क्षेत्र में एक जीप तेज बहाव में बह गई, गनीमत रही कि चालक समय रहते कूद गया. विदिशा के मऊखेड़ी और दिताखेड़ी के बीच पुल पर ट्रैक्टर फंस गया, चालक ने कूदकर जान बचाई. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदियों, पुलों और निचले इलाकों की ओर न जाएं. एनडीआरएफ और स्थानीय बचाव दल को अलर्ट पर रखा गया है. स्कूलों में छुट्टी या विशेष निर्देशों को लेकर स्थानीय प्रशासन स्थिति का मूल्यांकन कर रहा है.

# लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अहम

## नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मीडिया कर्मियों से हुए रूबरू

**भोपाल,27 जुलाई . मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व कांग्रेस नेताओं ने राजधानी भोपाल में प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों से सौजन्य भेंट की.**

इस स्नेहिल मुलाकात के दौरान प्रदेश की वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों एवं आगामी विधान सभा सत्र से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर व्यापक और गंभीर चर्चा हुई. इस बैठक में सदस्य कमलेश्वर पटेल, विधायक सूर्यव्रत यादव, अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, और कांग्रेस के प्रवक्ता भी शामिल रहे.

विधायक सूर्यव्रत यादव ने कहा कि जब पत्रकारिता बिना दबाव, भय और पक्षपात के जनसरोकारों पर केंद्रित रहती है, तभी लोकतंत्र फलता-फूलता है. पत्रकार लोकतंत्र की आत्मा हैं और देश की दिशा तय करने में उनकी भूमिका निर्णायक होती है. अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कहा कि आज जब समाज में कई स्तरों पर असंतुलन और असंवेदनशीलता दिखती है, ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है. जनजागरण और समाज निर्माण में पत्रकारों की भूमिका प्रेरणादायक और ऐतिहासिक रही है.

### पुलिस थानों या वर्दी में रील बनाना पड़ेगा भारी

**भोपाल.** पुलिस थानों या वर्दी में रील बनाकर सोशल मीडिया में डालने का शौक अब पुलिसकर्मियों पर भारी पड़ सकता है. इसे सिविल सेवा आचरण संहिता का उल्लंघन मानते हुए निंदा, कारण बताओ नोटिस, विभागीय जांच, निलंबन और गंभीर मामलों में बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है. रीवा जिले के सगरा थाना प्रभारी अंकिता मिश्रा की थाने में बनी रील वायरल होने के बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्दी में रील बनाने पर सख्त रोक लगाई जाए.

### ज्योति टॉकीज रोड पर डिवाइडर में दरार

**भोपाल.** ज्योति टॉकीज़ रोड पर बना डिवाइडर दरक रहा है. डिवाइडर के बीचों-बीच जगह-जगह दरारें आ गई हैं, जिससे इसकी मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं. समय रहते मरम्मत नहीं की गई, तो यह डिवाइडर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है.

# सकारात्मक सोच की महिलाओं को किया सम्मानित

**भोपाल,27 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य करने वाली भोपाल की संस्था सकारात्मक सोच द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशंसा की.**

भाजपा के भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने भोपाल की संस्था सकारात्मक सोच से जुड़ी महिलाओं से मिलकर शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया. उन्होंने बताया कि स्वच्छता को लेकर हमारा शहर व कस्बे अपनी जरूरत और माहौल के हिसाब से अलग-अलग तरीकों से काम कर रहा है. इसका असर शहर ही नहीं पूरे देश में हो रहा है. कार्यक्रम के दौरान महापौर मालती राय, महापौर परिषद सदस्य आरके सिंह बघेल, सुषमा बाबिशा, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष राजेश चौकसे, विशेष रूप से उपस्थित रहे.

### सरकारी यूनिवर्सिटी में पीएचडी अब मुश्किल

**भोपाल.** मध्य प्रदेश की सरकारी विश्वविद्यालयों में पीएचडी करना छात्रों के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के लिए केवल नेट स्कोर को पात्रता माना है, जिससे अधिकांश छात्र बाहर हो गए हैं. इस साल बीयू की करीब 2,379 सीटों में से 60 प्रतिशत सीटें खाली रह गईं. विश्वविद्यालय ने चयन प्रक्रिया में 70 प्रतिशत वेटेज नेट स्कोर और 30 प्रतिशत इंटरव्यू को दिया है. यूजीसी नियमों के तहत नेट स्कोर सिर्फ एक वर्ष के लिए वैध होता है.

# 22 टन का ऐतिहासिक नैरो गेज इंजन हुआ प्रदर्शित

## रानी कमलापति स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर किया स्थापित

जूनियर रिपोर्टर

**भोपाल, 27 जुलाई. पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने भारतीय रेलवे की धरोहर को सहेजते हुए नैरो गेज लोकोमोटिव नं. 514 को रानी कमलापति स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थायी प्रदर्शनी के रूप में स्थापित किया है.**

22 टन वजनी यह इंजन 3 जून 1991 से धौलपुर में 762 मिमी नैरो गेज पटरियों पर चलता रहा और 1 अप्रैल 2019 को अपनी अंतिम परिचालन यात्रा के बाद सेवामुक्त हुआ. यह वैक्यूम डीजल प्रणाली पर कार्य करता था और इसका अनुरक्षण उत्तर मध्य रेलवे, धौलपुर लोको शेड द्वारा किया जाता था. इसे 3 नवंबर 2023 को 'हेरिटेज एसेट' घोषित किया गया था और 23 जुलाई 2025 को विशेष परिवहन के जरिए भोपाल मंडल लाया गया.

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह इंजन न केवल रेलवे इतिहास की एक महत्वपूर्ण कड़ी को सहेजेगा बल्कि यात्रियों और आम जनता के लिए रेलवे तकनीक के विकास और सेवा परंपरा की जानकारी देने वाला आकर्षण भी बनेगा. यह पहल भावी पीढ़ियों को भारतीय रेलवे की विरासत से जोड़ने का काम करेगी.

# एचडीएफसी बैंक के कर्मी ने उड़ाए 10 लाख

## ग्राहक के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी क्रेडिट कार्ड जारी करवाया

**भोपाल,27 जुलाई. गंगा आश्रम स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. यहां खाता खुलवाने पहुंचे एक ग्राहक मोहम्मद इब्राहिम कुरैशी के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर खुद बैंककर्मी ने ही उनके नाम से फर्जी क्रेडिट कार्ड जारी करवा लिया.**

यह काम बैंककर्मी मनोज पटले ने किया, जिसने कुरैशी के दस्तावेज अपने पास रख लिए और क्रेडिट कार्ड बनवा कर खुद उसका उपयोग करता रहा. यह सिलसिला पांच साल तक चला और इस दौरान ग्राहक को भनक तक नहीं लगी. मनोज ने न सिर्फ कार्ड बनवाया, बल्कि बैंक से आने वाले अलर्ट और मैसेज रोकने की भी साजिश रच डाली.

### 5 साल तक सिलसिला चला ग्राहक को भनक तक नहीं

मनोज ने अपने साथी भरत प्रताप सिंह (निवासी सतना) को भी इस फर्जीवाड़े में शामिल किया. उसने कुरैशी के खाते से भरत का मोबाइल नंबर लिंक करवा दिया, जिससे बैंक से जुड़ी कोई भी जानकारी असली ग्राहक तक नहीं पहुंची.इसके बाद दोनों आरोपियों ने कार्ड से लाखों रुपये खर्च किए.

रकम से शेयर बाजार में निवेश, हवाई यात्राएं, महंगे गैजेट्स और मोबाइल खरीदे. ब्याज पर रकम देना भी शुरू कर दिया. बैंकिंग व्यवहार इतनी सफाई से किया गया कि किसी को शक तक नहीं हुआ.

**परेशानी** अनुभव प्रमाण-पत्र अप्रैल तक का नहीं मिलने से बढ़ी मुश्किल

# भर्ती से वंचित रह सकते हैं 10 हजार अतिथि शिक्षक

**भोपाल,27 जुलाई .मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे अतिथि शिक्षक एक ओर जहां नियमितिकरण की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, वहीं अब प्राथमिक शिक्षक भर्ती में अनुभव प्रमाणपत्र को लेकर नई चुनौती सामने आ गई है.**

शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षक पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है. इसमें अतिथि शिक्षकों को उम्रसीमा में 9 साल की छूट और अनुभव का वेटेज भी दिया जा रहा है, लेकिन वर्तमान सत्र 2025-26 के अप्रैल तक का अनुभव प्रमाणपत्र न बनने से करीब 10 हजार अतिथि शिक्षक पात्रता से बाहर हो सकते हैं.

मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग में 10,150 और जनजातीय कार्य विभाग में 2,939 सहित कुल 13,089 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती की जा रही है. आवेदन की अंतिम तिथि 1 अगस्त है जबकि संशोधन 6 अगस्त तक किए जा सकेंगे. परीक्षा 31 अगस्त से संभावित है. इसमें केवल वही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं जिन्होंने प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 या 2024 उत्तीर्ण की हो. साथ ही अनुभव प्रमाणपत्र आवेदन के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करना है.

### अभ्यर्थियों में रोष

अतिथि शिक्षिका सुरभि चौहान ने बताया कि उन्होंने अप्रैल तक पढ़ाया है, फिर भी विभाग केवल मार्च तक का प्रमाणपत्र दे रहा है. उन्होंने मांग की है कि जब भर्ती में अनुभव मांगा गया है, तो अप्रैल तक का अनुभव भी मान्य किया जाए. वहीं अतिथि शिक्षक रामकुमार यादव ने कहा कि यदि हमें पूर्ण सत्र का प्रमाणपत्र नहीं मिला तो हम मेरिट में पिछड़ जाएंगे. इस मुद्दे को लेकर अब तक शिक्षा विभाग की ओर से कोई स्पष्ट निर्देश नहीं आए हैं. अतिथि शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समाधान नहीं निकला तो वे भर्ती प्रक्रिया के विरोध में आंदोलन करेंगे.

### दवाओं पर डिस्काउंट बोर्ड पर रोक

**भोपाल.** मध्यप्रदेश में मेडिकल स्टोर्स द्वारा दवाइयों पर छूट दर्शाने वाले बोर्ड लगाने पर अब पूरी तरह से रोक लगा दी गई है. फार्मेसी काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि ऐसी गतिविधियां फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के तहत अनैतिक मानी जाती हैं और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. प्रदेशभर के पंजीकृत फार्मासिस्टों और मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी कर चेताया गया है कि यदि दुकान पर 10 से 80 प्रतिशत तक की छूट दर्शाने वाले बोर्ड लगे पाए गए, तो संबंधित फार्मासिस्ट का पंजीकरण रद्द या निलंबित किया जा सकता है.

# सदर मंजिल की छत से गिरा प्लास्टर

**भोपाल ,27 जुलाई. शहर की ऐतिहासिक धरोहर सदर मंजिल के मुख्य द्वार का प्लास्टर शनिवार को दोपहर में गिर गया.**

गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ. लेकिन इस घटना ने धरोहर संरक्षण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. फरवरी 2025 में सदर मंजिल का मरम्मत के बाद भव्य उद्घाटन हुआ था. लेकिन सिर्फ पांच महीने बाद ही उसका प्लास्टर गिरना मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहा है. यह घटना तब हुई जब सड़क पर यातायात सामान्य रूप से चल रहा था. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि नीचे कोई वाहन या व्यक्ति होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था. सदर मंजिल को मोती महल से जोड़ने वाले गेट को पहले स्मार्ट सिटी योजना के तहत संवारा गया था. बाद में बीएससीडीसीएल ने इसे लीज पर लेकर दोबारा मरम्मत करवाई.